# NEWSLETTER

GOLD : 50227
SILVER : 56868
CRUD OIL : 6540

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

01/10/2022

## किसान की आवाज

खेती चाहे कपास की हो या धान की या फिर किसी अन्य अनाज या सब्जी की। समय के साथ-साथ कमजोर होती जा रही है। वर्तमान स्थिति यह है कि किसानों को खेती से 4 साल नुकसान हो रहा है और 1 साल फायदा। नतीजा किसानों की युवा पीढ़ी खेती करना ही नहीं चाहती। बहुत संभावना है कि आने वाले 10 सालों में खेती करने वाले किसान केवल 10 प्रतिशत ही रह जाए। यह कहना है हरियाणा के सिरसा जिले की रानिया तहसील में पिछले 32 साल से खेती कर रहे किसान अमिर सिंह का।

एकड़ जमीन पर धान और कपास की खेती 20 करने वाले अमर कहते है कि तेजी से खत्म हो रही खेती को दोबारा जीवित करने का काम केवल सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि जब कभी भी देश का कोई व्यापार खत्म होने की कगार पर होता है तो सरकार उसे कर्ज माफी कर या मुआवजा देकर सहारा प्रदान करती है। फिर खत्म हो रही खेती को बचाने के लिए यह प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा। वर्तमान में किसान कभी मौसम की मार से तो कभी बिमारी के प्रहार से तो कभी सही भाव ना मिल पाने की वजह से नुकसान में रहता है। मौटे तौर पर कहें तो खेती लाइलाज है। किंतु सरकार यदि प्रयास करें और कुछ ऐसे मापदंड बनाए कि नुकसान में रहने वाले किसानों को आर्थिक सहायता दे तो किसानों की रूचि खेती में बनी रहेगी।

पहले खेती जितनी आसान थी आज के दौर में यह उतनी ही कठिन हो गई है महंगाई की मार ने खेती की लागत को बहुत बड़ा दिया है। डीजल 100 रूपए प्रति लीटर बिक रहा है। मजदूर मिल नहीं पा रहे है। बीज की क्वालिटी का कोई भरोसा नहीं रहता। ऐसे में खेती से फायदा मिलना मुश्किल होता जा रहा है। इस बार कपास की स्थिति को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में कपास पर फंगस की मार है इसके असर से उत्पादन कम हो सकता है।

*पंजाब में इस साल कपास की फसल कमजोर है। किसानों ने उतनी सोइंग नहीं की जितनी की उम्मीद जताई जा रही थी। पिछले साल भटिंडा रीजन में कुल 75 हजार हेक्टेयर में कॉटन सोइंग हुई था जबकि इस साल अनुमान है कि यह घटकर 65000 हेक्टेयर तक ही रह जाएगी। यह कहना है भटिंडा की संगतमंडी की कॉटन फैक्ट्री श्री बालाजी कॉटन के संचालक सुखपाल राय ने।*

# भटिंडा रीजन में कपास पैदावार पिछले साल से कम होने के आसार

सुखपाल राय
(कॉटन जिनर)

## कम हुई सोइंग

कॉटन जिनर सुखपाल ने बताया कि यह सही है कि पिछले साल कपास के किसानों को अच्छे भाव मिले है। लेकिन पंजाब में किसानों को इसका कोई खास फायदा नहीं पहुंच पाया है। दरअसल, पंजाब में पिछले साल कपास की फसल को कीटों ने खासा नुकसान पहुंचाया था, जिसकी वजह से पैदावार अच्छी नहीं हुई थी। नतीजा 30 से 40 प्रतिशत किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। यही वजह है कि इस बार पंजाब में कपास सोइंग कम हुई हैं।

## सीड में किए बदलाव

जानकारों का कहना है कि इस साल पंजाब में कपास की 6.15 से 6.30 लाख गांठ की फसल आएंगी। जबकि वर्तमान स्थिति को देखकर लगता है कि 5.30 लाख गांठें भी मुश्किल से ही आ पांएगी। ऐसा इसलिए कि पिछली फसल पर गुलाबी सुंडी और अन्य कीटों द्वारा खराब करने के बाद इस साल ज्यादातर किसानों ने कॉटन सीड में बदलाव किए है। लगभग 50 प्रतिशत कपास की बुआई गुजरात के सीड से की गई है।

## सफेद मक्खी ने पहुंचाया नुकसान

किसानों ने यह सोचकर गुजरात के सीड पर भरोसा दिखाया था कि इस पर कीट नहीं लगेंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस सीड से लगाई गई लगभग 40 प्रतिशत फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है और जो बची है उन पौधों की लंबाई भी बहुत कम रह गई है। इन्हीं कारणों से पंजाब में कपास की पैदावार कम रहने के आसार है। इस बार कपास पर गुलाबी सुंडी का प्रकोप तो नहीं दिखा लेकिन सफेद मक्खी ने फसल को खासा नुकसान पहुंचाया है।

## असमंजस में है जिनर्स

उन्होंने कहा कि रॉ कॉटन की कमी हो जाने से जिनर्स भी असमंजस की स्थिति में है। पिछले साल से अब तक यहां 5 से 10 जिनिंग फैक्ट्री बंद हुई है। दरअसल, पैदावार कम होने की वजह से रॉ कॉटन हरियाणा और राजस्थान से आ रहा है। इससे जिनिंग फैक्ट्री की लागत बढ़ गई है।

# NEWSLETTER

NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :
(WEATHER REPORT)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

01/10/2022

## जाहिर सूचना

### जॉब वर्क लीज निवेदन

कपास फसल वर्ष 2022-23 के लिए प्रोसेसिंग कार्य हेतु विदर्भ में 18 जम्बो डीआर जिन और डबल पेटिका आटोमेटिक प्रेसिंग यूनिट (T.M.C.) की मशीनरी जॉब वर्क या लीज पर देना है। इच्छुक व्यक्ति अपनी नीविदा दिनांक 15.10.2022 तक नीचे दिए पते पर भेज सकते है।

**पता**- मैनेजर, उमरखेड तालुका शेतकारी सहकारी जिनिंग एंड प्रेसिंग सोसायटी लि. यवतमाल, विदर्भ, महाराष्ट्र
**पिन कोड**- 445206
ईमेल-
**मोबाइल** - 9423652283
**ईमेल**- aplajain@gmail.com

## जानिए टेक्सटाइल निवेषकों के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

### 26 अक्टूबर से 01 अक्टूबर के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर

इस सप्ताह शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। टेक्सटाइल निवेषकों के लिए भी यह सप्ताह मिला-जुला ही रहा। ज्यादातर कंपनीज के शेयर्स के प्राइज इस सप्ताह गिरे जिसके चलते मार्केट केप भी निगेटिव रहा जबकि वर्धमान टेक्सटाइल और नीतिन स्पिनर्स जैसी कुछ कंपनीज पॉजीटिव मार्केट केप के साथ मार्केट लीडर बनकर उभरी। जानिए बीएससी मंच पर कैसी रही इस सप्ताह की प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की परफॉर्मेंस-

| कंपनी | करंट प्राइस | हाई प्राइस | लोएस्ट प्राइस | हलचल |
|---|---|---|---|---|
| वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड | 337.25 | 346-.00 | 317.05 | 0.51% |
| अरविंद लिमिटेड | 95.45 | 100.7 | 94.3 | -5.12% |
| वेलसपन इंडिया | 73.65 | 77 | 72 | -3.16% |
| नितिन स्पिनर्स | 217.1 | 208.25 | 221 | 0.60% |
| रेमण्ड | 1026.05 | 1081.1 | 1001.15 | -0.90% |
| अक्षिता कॉटन लिमिटेड | 301.45 | 311.75 | 295.7 | -2.91% |

## जानिए कॉटन के लिए कैसा रहा सितंबर माह

**SMART INFO SERVICES**
**CALL : 91119 77771 - 5**
**MONTHLY CHART 01.10.2022**

| ICE COTTON | | | |
|---|---|---|---|
| MONTH | 02.09.22 | 30.09.22 | MONTHLY CHANGE |
| DEC | 103.21 | 85.34 | -17.87 |
| MARCH | 100.14 | 83.45 | -16.69 |
| MAY | 97.79 | 82.09 | -15.7 |
| **MCX (BALES)** | | | |
| OCT | 37610 | 31050 | -6560 |
| NOV | 35800 | 29400 | -6400 |
| DEC | 34900 | 29410 | -5490 |
| **NCDEX (KAPAS)** | | | |
| APRIL | 1752 | 1592 | -160 |
| **NCDEX ( COCUD KHAL)** | | | |
| DEC | 2406 | 2327 | -79 |
| JAN | 2433 | 2347 | -86 |
| **CURRENCY ($)** | | | |
| INDIAN (Rupee) | 79.8 | 81.34 | 1.54 |
| PAK (Pakistani Rupee) | 219.299 | 228.099 | 8.8 |
| CNY (Chinese yuan) | 6.89975 | 7.11311 | 0.21336 |
| BRAZIL (Real) | 5.1726 | 5.41248 | 0.23988 |
| AUSTRALIAN Dollar | 1.46779 | 1.55909 | 0.0913 |
| MALAYSIAN RINGGITS | 4.46922 | 4.63599 | 0.16677 |
| COTLOOK "A" INDEX | 126.6 | 103.8 | -22.8 |
| BRAZIL COTTON INDEX | 127.55 | 104.87 | -22.68 |
| USDA SPOT RATE | 109.18 | 86.09 | -23.09 |
| MCX SPOT RATE | 45380 | 33400 | -11980 |
| KCA SPOT RATE (PAKISTAN) | 22000 | 20500 | -1500 |

कुछ प्रदेशों में कॉटन की नई फसल की आवक शुरू हो चुकी है। यही वजह है कि कॉटन के भाव में लगातार गिरावट जारी है। अगस्त के बाद सितंबर माह में भी कॉटन के भाव गिरे है। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज में दिसंबर, मार्च और मई तीनों ही महीनों के सौदों के लिए भाव में क्रमशः 17.87,16.69 और 15.7 अंक की कर्मी दर्ज की गई है। जबकि एमसीएक्स पर कॉटन बेल्स के दाम अक्टूबर माह के लिए 6560, नवंबर माह के लिए 6400 और दिसंबर माह के सौदों के लिए 5490 रुपए प्रति बेल्स तक घटे हैं।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव में भी इस माह 160 रुपए की कमी का अंतर देखा गया है। महीने की शुरूआत में एनसीडीएक्स पर कपास के भाव 1752 थे जो माह अंत में घटकर 1592 रह गए। इसके अलावा इंटरनेशनल एक्सचेंज मार्केट जैसे कॉटलुक ए इंडेक्स, ब्राजील कॉटन इंडेक्स, यूएसडीए स्पॉट रेट, एमसीएक्स स्पॉट रेट और केसीए स्पॉट रेट जैसे सभी प्लेटफॉर्म पर कॉटन भावों में कमी आई हैं।

क्रंसी की बात करें तो इस माह डॉलर का बोलबाला रहा है। भारतीय रूपया हो या चाइनीज युआना या मलेशियन रिंगित। लगभग सभी देशों की करंसी पर डॉलर हावी रहा है। भारतीय रुपये की कीमत सितंबर माह की शुरूआत में 79.8 थी जो माह अंत तक बढ़कर 81.34 हो गई। अन्य देशों में सबसे ज्यादा अंतर पाकिस्तानी रुपये में देखा गया। इसने 8.8 रुपये बढ़कर डॉलर को मजबूती प्रदान करी।